# व्याकरण

## शब्द

### प्रदत्त कार्य-1: शब्द और पद की पहचान।

**विषय: निर्धारित पाठ से शब्द और पद की पहचान करना।**

**उद्देश्य :**

- शब्द को समझना।
- पद को समझना।
- दोनों में अंतर को समझना।
- वाक्य में प्रयोग को समझना।
- समझ तथा प्रयोग की कला।
- चिंतन-मनन, जिज्ञासु प्रवृत्ति का विकास।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम अध्यापक कार्य के विषय में विस्तार से छात्रों को समझाएँ।
3. किसी भी पाठ से उदाहरण छाँटकर विद्यार्थियों को समझाएं।
4. विद्यार्थियों को कक्षा कार्य की कॉपी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करें।
5. पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ का चयन कर कार्य दें।
6. 20 मिनट का समय कार्य करने के लिए दिया जाए। कार्य के दौरान अध्यापक विद्यार्थियों को प्रोत्साहित तथा मदद करते रहें।

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- मूल्यांकन के आधार बता दिए जाएँ।
- मूल्यांकन बिन्दु तथा अंक अध्यापक अपनी सुविधानुसार तय करें।

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- कार्य को रुचिपूर्वक समाप्त करने की दृष्टि से प्रत्येक छात्र की सराहना की जाए।
- कक्षा कॉपी को एकत्रित कर जाँच करें या बच्चों को श्यामपट्ट की सहायता से मूल्यांकित करें।
- शिक्षक छात्रों को प्रेरित करें कि वे स्वयं भी इसी प्रकार की वर्ग पहेली का अभ्यास कर सकते हैं।

## प्रदत्त कार्य–2: सूचना लेखन

### विषय : किसी भी विषय पर सूचना लिखना।

**उद्देश्य :**

- रचनात्मक कौशल का विकास।
- सूचना–लेखन कला की समझ।
- चिंतन एवं अभिव्यक्ति क्षमता।
- लेखन कौशल का विकास।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. अध्यापक सूचना–लेखन के बारे में बताएंगे।
3. सूचना–लेखन का नमूना प्रारूप बच्चों को बताएंगे।
4. पुनः विद्यार्थियों को विषय देकर सूचना लेखन गतिविधि का आरंभ करवाएंगे।
5. मूल्यांकन के आधार श्यामपट्ट पर पहले ही लिख दिए जाएं।
6. सूचना–लेखन के लिए 20 मिनट का समय दिया जाए।
7. बीच–बीच में समस्या का अपने स्तर पर समाधान करते रहें ताकि कार्य में अरुचि दिखाने वाले विद्यार्थियों द्वारा काम कराया जा सके।

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- प्रारूप
- विषयवस्तु
- भाषा

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- अच्छा कार्य करने वाले विद्यार्थियों की सराहना।
- अच्छी सूचना को अध्यापक कक्षा में सुनाएं।
- कमियों के सुधार हेतु सुझाव दें।

## प्रदत्त कार्य-3: संवाद लेखन

**विषय : 'कारतूस ( एकांकी )' के आधार पर अपनी कल्पना से वज़ीर अली के पकड़े जाने पर वज़ीर अली और कर्नल के बीच का संवाद लिखिए।**

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**उद्देश्य :**

- लेखन कौशल एवं कल्पना शक्ति का विकास।
- स्वतंत्र दृष्टिकोण का विकास।

**प्रक्रिया :**

1. अध्यापक कार्य के बारे में विद्यार्थियों को बताएंगे।
2. कक्षा में अध्यापक कार्य और विषय को श्यामपट्ट पर लिखेंगे साथ ही कार्य करने की सीमा 25-30 मिनट भी लिख देंगे।
3. कार्य करवाते समय शिक्षक ध्यान दें कि सभी विद्यार्थी कार्य में संलग्न हों।

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- विषयवस्तु

- संवाद योजना
- प्रस्तुति
- भाषा

**टिप्पणी :**

- अध्यापक कार्य सुविधानुसार गतिविधि में परिवर्तन तथा मूल्यांकन के आधार में बदलाव कर सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- रोचक एवं प्रभावी लेखन करने वाले विद्यार्थियों की सराहना।
- कार्य पूरा करने वाले विद्‌यार्थी की सराहना।
- कार्य–पत्रक का प्रदर्शन एवं कक्षा में सुनाना।

## प्रदत्त कार्य–4: समास

### विषय : समास की पहचान।

**उद्देश्य :**

- व्याकरणिक इकाईयों का ज्ञान।
- शब्द भंडार में वृद्धि।
- समास व उनके भेदों की पहचान व ज्ञान।
- जिज्ञासु प्रवृत्ति का विकास।
- पूर्वज्ञान की परख व अनुप्रयोग।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. कुछ उदाहरणों के द्वारा शिक्षक कार्य के स्वरूप से परिचित कराएं।
3. कार्य–प्रपत्र पूर्ण करने के लिए छात्रों को 15–20 मिनट का समय दिया जाए।
4. मूल्यांकन के आधार तथा अंक पूर्व में ही छात्रों को बताएं जाएं।

## कार्य प्रपत्र

**निर्देश :**

दिए गए चित्र में से समस्त-पद, समास-विग्रह व भेद छांट कर तालिका बद्ध करें तथा समस्त पद होने पर समास-विग्रह तथा समास-विग्रह होने पर समस्त पद भी बनाएं –

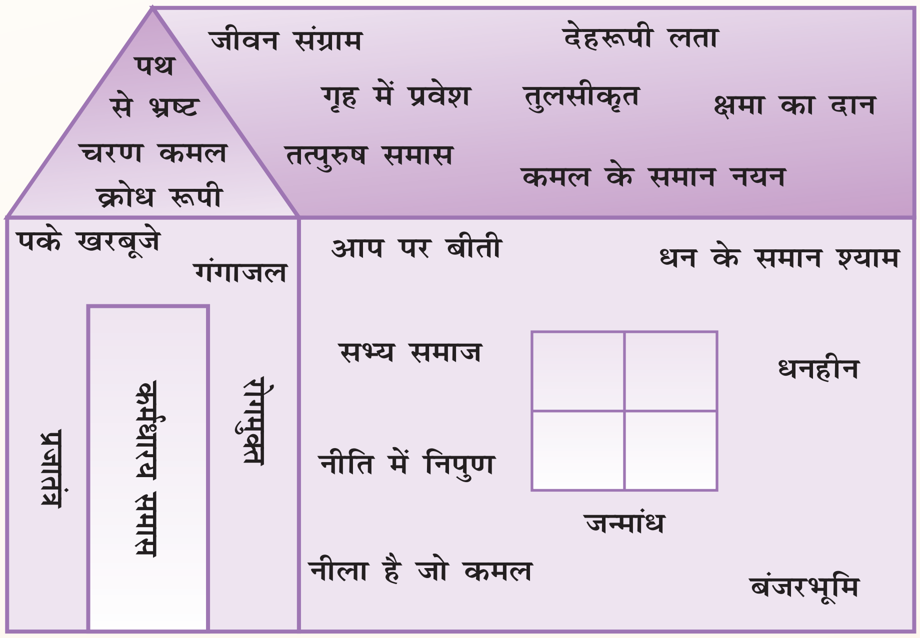


| | समास | समास विग्रह | भेद |
|---|---|---|---|
| 1. | पथभ्रष्ट | पथ से भ्रष्ट | तत्पुरुष समास |
| 2. | ........................... | ........................... | ........................... |
| 3. | ........................... | ........................... | ........................... |
| 4. | ........................... | ........................... | ........................... |
| 5. | ........................... | ........................... | ........................... |
| 6. | ........................... | ........................... | ........................... |
| 7. | ........................... | ........................... | ........................... |
| 8. | ........................... | ........................... | ........................... |
| 9. | ........................... | ........................... | ........................... |
| 10. | ........................... | ........................... | ........................... |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 11. | ............................ | ............................ | ............................ |
| 12. | ............................ | ............................ | ............................ |
| 13. | ............................ | ............................ | ............................ |
| 14. | ............................ | ............................ | ............................ |
| 15. | ............................ | ............................ | ............................ |
| 16. | ............................ | ............................ | ............................ |
| 17. | ............................ | ............................ | ............................ |
| 18. | ............................ | ............................ | ............................ |
| 19. | ............................ | ............................ | ............................ |
| 20. | ............................ | ............................ | ............................ |
| 21. | ............................ | ............................ | ............................ |

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- सही समास विग्रह, समस्त पद व भेद लिखने पर अंक दें।

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- रुचिपूर्वक कार्य करने पर सभी छात्रों की सराहना की जाए।
- कार्य प्रपत्र एकत्रित करने के बाद विद्यार्थियों की सहायता से सही समास लिखें।
- कार्य पूर्ण न कर पाने वाले छात्रों को उसे पूर्ण करने के लिए प्रेरित करें।

## प्रदत्त कार्य-5 : विज्ञापन लेखन

**विषय : पौष्टिक व स्वादिष्ट शिशु आहार का विज्ञापन।**

**उद्देश्य :**

- विज्ञापन लेखन से परिचय।

- कल्पनाशीलता का विकास।
- सृजनात्मकता का विकास।
- रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।
- लेखन कौशल का विकास।

**निर्धारित समय :** एक कालांश

**प्रक्रिया :**

1. सामूहिक कार्य।
2. शिक्षक विज्ञापन लेखन से विद्यार्थियों को परिचित कराएंगे।
3. कक्षा में किसी विषय पर विज्ञापन लेखन का कार्य श्यामपट्ट पर शिक्षक स्वयं करके भी दिखा सकते हैं।
4. छात्र समूह में दिए गए विषय पर आकर्षक, रोचक एवं सरस विज्ञापन सचित्र तैयार करेंगे।
5. गतिविधि के समय शिक्षक प्रत्येक समूह के क्रियाकलापों पर ध्यान रखें।
6. प्रत्येक समूह को 10–15 मिनट का समय विज्ञापन लेखन के लिए दिया जाएगा।
7. विज्ञापन प्रस्तुति के लिए 1–2 मिनट का समय दिया जाएगा।
8. मूल्यांकन के आधार तथा अंक पूर्व में ही श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएँ।

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- विषय संबद्धता
- रोचकता
- आकर्षक
- सरल
- प्रस्तुतीकरण

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- छात्रों की कल्पनाशीलता व सृजनशीलता की सराहना की जाएगी।

- सर्वश्रेष्ठ विज्ञापन लेखन की सराहना।
- कमजोर लेखन को प्रोत्साहन एवं सहयोग।

**विज्ञापन लेखन के कुछ विषय**

- बच्चों की अभिरुचि को ध्यान में रखते हुए रिच क्रीमी, नट्स, कैरामल से भरपूर एक स्वादिष्ट चॉकलेट का विज्ञापन तैयार कीजिए जिसके उपभोक्ता अधिक से अधिक मात्रा में हों तथा इस उत्पाद को चित्र द्वारा चित्रित कीजिए।
- आपके पिता का शैम्पू का व्यापार है। अपने शैम्पू की गुणवत्ता की उपयोगिता को प्रतिपादित करते हुए आकर्षक विज्ञापन बनाइए।
- नारी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी एजेंसी के लिए विज्ञापन बनाइए।

## प्रदत्त कार्य-6 : पद परिचय

### विषय : विभिन्न पदों की पहचान ( कार्य प्रपत्र )

**उद्देश्य**

- व्याकरणिक इकाइयों की पहचान।
- शब्द भंडार में वृद्धि।
- पूर्वज्ञान की परख एवं प्रयोग।

**प्रक्रिया :**

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. शिक्षक इस कार्यप्रपत्र को पद परिचय समझने के पश्चात् ही दें।
3. इस कार्यप्रपत्र को पूर्ण करने के लिए विद्यार्थियों को 10-15 मिनट का समय ही दिया जाए।
4. आवश्यकतानुसार शिक्षक विद्यार्थियों को बीच-बीच में सहायता करें।

**कार्य प्रपत्र**

**निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पद का चित्रों में से सही विकल्प छांटकर लिखें -**

- सुधा सदा हंसती रहती है।
- कछुआ धीरे-धीरे चल रहा था।

- गंगा <u>पवित्र</u> नदी है।
- हम मुंबई <u>जा रहे</u> हैं।
- कल <u>हमने</u> ताजमहल देखा।

| | पद | परिचय |
|---|---|---|
| 1. | सुधा | ........................................................ |
| 2. | धीरे-धीरे | ........................................................ |
| 3. | पवित्र | ........................................................ |
| 4. | जा रहे हैं | ........................................................ |
| 5. | हमने | ........................................................ |

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- सही उत्तर

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- सभी सही उत्तर देने वाले छात्रों की सराहना की जाए।
- अधूरा काम करने वालों को थोड़ा और समय दें।
- सभी सही उत्तरों को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख दें।

## प्रदत्त कार्य-7 : मिश्र व संयुक्त वाक्य।

**विषय : वाक्य पढ़कर मिश्र वाक्यों का संयुक्त वाक्य में और संयुक्त वाक्यों का मिश्र वाक्यों में रूपांतरण कर तालिका भरें।**

**उद्देश्य :**

- वाक्य के स्वरूप से परिचय।
- तालिकाबद्ध करने की प्रवृत्ति का विकास।
- शब्द भंडार में वृद्धि।
- पूर्व ज्ञान का अनुप्रयोग।

**प्रक्रिया :**

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. शिक्षक इस कार्यप्रपत्र को पद परिचय समझने के पश्चात् ही दें।
3. इस कार्यप्रपत्र को पूर्ण करने के लिए विद्यार्थियों को 10-15 मिनट का समय ही दिया जाए।
4. आवश्यकतानुसार शिक्षक विद्यार्थियों को बीच-बीच में सहायता करें।

### कार्य प्रपत्र

| क्र.स. | वाक्य |
|---|---|
| 1. | सूर्य छिपा और अँधेरा छा गया। |
| 2. | अब असफल हो गए, तो शोक करना व्यर्थ है। |
| 3. | उसके पास जो कुछ था, वह खो गया। |

| | |
|---|---|
| 4. | लड़का बीमार था इसलिए वह डॉक्टर के पास गया। |
| 5. | मेरे पास कामायनी है, जिसे जयशंकर प्रसाद ने लिखा है। |
| 6. | शशि परिश्रमी है और वह कक्षा में प्रथम आती है। |
| 7. | वह व्यक्ति बेईमान है और जल्द ही पकड़ा जाएगा। |
| 8. | जैसे ही गार्ड ने हरी झंडी दिखाई वैसे ही ट्रेन चल पड़ी। |
| 9. | संकटों ने उसे हर तरह से घेरा, किंतु वह निराश नहीं हुआ। |
| 10. | जो विद्यार्थी साहसी होते हैं, वे उन्नति करते हैं। |

| क्र.स. | वाक्य |
|---|---|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

| क्र.स. | वाक्य |
|---|---|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- सही उत्तर

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- सभी सही उत्तर देने वाले छात्रों की सराहना की जाए।
- अधूरा काम करने वालों को थोड़ा और समय दें।
- सभी सही उत्तरों को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख दें।

## प्रदत्त कार्य-8: वाक्य अशुद्धिशोधन

### विषय : श्रुतलेख के रूप में अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखो।

**उद्देश्य :**

- शुद्ध वाक्य रचना का अभ्यास।
- वर्तनी संबंधी त्रुटियों पर ध्यान आकर्षित करना।
- श्रवण एवं लेखन कौशल का विकास।
- एकाग्रता का विकास।
- तीव्र विचार मंथन एवं चिंतन।

**प्रक्रिया :**

1. शिक्षक कुछ रोचक अशुद्ध वाक्यों का संकलन करें और उन्हें बहुत आराम से एक-एक कर विद्यार्थियों को सुनाएं।
2. विद्यार्थी एक पृष्ठ पर उन अशुद्धियों को पहचान कर सही वाक्य लिखेंगे।
3. शिक्षक पहले कुछ वाक्यों को उदाहरण स्वरूप अवश्य बता दें।

**जैसे** – रोज सुबह एक गिलास भरा दूध पीना चाहिए और रोज सभी बच्चों को काटकर एक सेब खाना चाहिए। रोटी पर असली गाय का घी लगाकर खाना चाहिए। अरे! यह क्या? वर्षा में पानी बह रहा है। मैंने तो अभी बाहर जाना है। आपने भी जाना होगा। न जाने किसकी दृष्टि लग गई। – इत्यादि

**शुद्ध वाक्य** – रोज सुबह एक गिलास दूध पीना चाहिए और रोज सभी बच्चों को एक सेब काटकर देना चाहिए। रोटी पर गाय का असली घी लगाकर खाना चाहिए। अरे! यह क्या? वर्षा हो रही है। मुझे अभी बाहर जाना है। आपको भी जाना होगा। न जाने किसकी नज़र लग गई।

4. इस प्रकार 10 वाक्य तैयार कर श्रुतलेख करवाएँ।
5. ध्यान रखें कि सभी विद्यार्थियोंको उत्तर लिखने का उचित समय मिल सके।

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- वाक्य एवं वर्तनी सही होने पर मुल्यांकन करें।

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- सम्पूर्ण कार्य सही करने वालों की सराहना की जाए।
- जो कार्य पूरा नहीं कर पाए, उन्हें अतिरिक्त समय दिया जाए।
- कोई वाक्य नहीं लिख पाए तो पुनः बोलकर लिखवाया जाए ताकि वह कार्य पूरा कर सके।
- मूल्यांकन के लिए प्रपत्र लेने के पश्चात् सही उत्तर अवश्य बता दिए जाएँ।

## प्रदत्त कार्य-9 : कार्य-प्रपत्र ( मिलान करें )

### विषय : संधि

**उद्देश्य :**

- संधि का अभ्यास।
- शब्द भंडार में वृद्धि एवं शब्द निर्माण का ज्ञान।
- पूर्व ज्ञान का अनुप्रयोग।
- विचार मंथन एवं चिंतन।

**प्रक्रिया :**

1. स्वर संधि के भेदों को समझाने के पश्चात् ही यह कार्य कराया जाए।
2. कार्य व मूल्यांकन के विषय में विद्यार्थियों को विस्तार से समझाया जाए।
3. कार्य-प्रपत्र को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख दें, जिसे विद्यार्थी पृष्ठ पर उतार कर उत्तर देंगे।

### कार्य प्रपत्र का प्रारूप ( मिलान करें एवं शब्द बनाएं )

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | लघु | + | एषण | = | | |
| 2. | पुरुष | + | इत | = | | |
| 3. | यथा | + | आगत | = | | |
| 4. | लोक | + | ऋषि | = | | |
| 5. | अनु | + | उत्तर | = | लघूत्तर | (उदाहरण स्वरूप) |
| 6. | सु | + | ऊन | = | | |
| 7. | मातृ | + | इका | = | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 8. | ब्रह्म | + | आदेश | = | | |
| 9. | प्रति | + | अर्थ | = | | |
| 10. | गै | + | उत्तम | = | | |
| 11. | सत्य | + | ऊर्मि | = | | |
| 12. | नि | + | एव | = | | |

4. इस कार्य के लिए विद्यार्थियोंको 15-20 मिनट का समय अवश्य दिया जाए।
5. शिक्षक यह सुनिश्चित कर लें कि सभी ने श्यामपट्ट से सही-सही लिख लिया है।

**मूल्यांकन के आधार बिंदु :**

- सही उत्तर

**टिप्पणी :**

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

**प्रतिपुष्टि :**

- सम्पूर्ण कार्य सही करने वालों की सराहना की जाए।
- जो कार्य पूरा नहीं कर पाए, उन्हें अतिरिक्त समय दिया जाए।
- सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएं ताकि विद्यार्थी अशुद्धियों को सुधार सकें।

CBSE

CONTINUOUS AND COMPREHENSIVE EVALUATION

KNOW - AS YOU GROW

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

शिक्षा केन्द्र, 2–समुदाय केन्द्र, प्रीत विहार, नई दिल्ली–110092